

# INHALT

|                               |     |
|-------------------------------|-----|
| VORWORT                       | 5   |
| PROLOG                        | 9   |
| TEIL EINS                     | 23  |
| 1. EINLEITUNG                 | 25  |
| 2. DIE NÄRRIN                 | 31  |
| 3. DIE MAGIERIN               | 36  |
| 4. DIE HOHEPRIESTERIN         | 41  |
| 5. DIE HERRSCHERIN            | 47  |
| 6. DER HERRSCHER              | 53  |
| 7. DER HIEROPHANT             | 59  |
| 8. DIE LIEBENDEN              | 65  |
| 9. DER WAGEN                  | 70  |
| 10. DIE GERECHTIGKEIT         | 75  |
| 11. DIE ALTE                  | 80  |
| 12. DAS GLÜCKSRAD             | 85  |
| 13. DIE STÄRKE                | 93  |
| 14. DIE GEHÄNGTE              | 98  |
| 15. DER TOD                   | 104 |
| 16. DIE AUSGEWOGENHEIT        | 110 |
| 17. DER TEUFEL                | 115 |
| 18. DER TURM                  | 120 |
| 19. DER STERN                 | 125 |
| 20. DER MOND                  | 130 |
| 21. DIE SONNE                 | 135 |
| 22. DAS GERICHT               | 140 |
| 23. DIE WELT                  | 145 |
| DIE GROSSEN ARKANA            |     |
| GEHEIMNISSE UND ESSENZEN      |     |
| SELBST VERTRAUEN              |     |
| FEUER TANZEN                  |     |
| GEWAHR SEIN                   |     |
| HERVOR BRINGEN                |     |
| AB TRENNEN                    |     |
| UNTER DRÜCKEN                 |     |
| SICH VERBINDELN               |     |
| DEN EIGENEN WEG GEWINNEN      |     |
| RICHTIG STELLEN               |     |
| WENDUNG NACH INNEN            |     |
| DIE REISE IM GROSSEN RUND     |     |
| MAGISCHE HELFER FINDEN        |     |
| DIE EINWEIHUNG ANNEHMEN       |     |
| LOS LASSEN                    |     |
| KOSMISCHE ENERGIE ERDEN       |     |
| DER GEIST, DER STETS VERNEINT |     |
| STRUKTUREN ZERBRECHEN         |     |
| SICH DER GÖTTIN ÖFFNEN        |     |
| DAS MYSTERIUM ERFAHREN        |     |
| BEWUSSTSEIN ERWEITERN         |     |
| DIE ERDE HEILEN               |     |
| DEN KREIS BILDEN              |     |

|                                      |                                    |            |
|--------------------------------------|------------------------------------|------------|
| <b>TEIL ZWEI</b>                     | <b>DIE KLEINEN ARKANA</b>          | <b>151</b> |
| 24. EINFÜHRUNG                       | DIE DRAMEN DES ALLTAGS             | 153        |
| 25. ASSE, ZWEIEN UND<br>DREIEN       | KARDINALE ZEICHEN                  | 160        |
| 26. VIEREN, FÜNFEN UND<br>SECHSEN    | FESTIGKEIT                         | 168        |
| 27. SIEBENEN, ACHTEN<br>UND NEUNEN   | VERÄNDERUNG                        | 176        |
| 28. ZEHNNEN                          | VERWANDLUNG                        | 185        |
| 29. TÖCHTER                          | JUGEND                             | 189        |
| 30. SÖHNE                            | MÄNNLICHE POLARITÄT                | 195        |
| 31. PRIESTERINNEN                    | HEILES UND HEILIGES                | 202        |
| 32. SCHAMANINNEN                     | ERFAHRUNGEN                        | 209        |
| <b>TEIL DREI</b>                     | <b>DER GEIST VON „MOTHERPEACE“</b> | <b>217</b> |
| 33. KARTEN-DEUTEN                    |                                    | 219        |
| 34. GRUPPENARBEIT                    |                                    | 228        |
| 35. EINE NEUE MYTHOLOGIE<br>SCHAFFEN |                                    | 232        |
|                                      | ANMERKUNGEN                        | 243        |
|                                      | BIBLIOGRAPHIE                      | 250        |
|                                      | DIE „MOTHERPEACE“-BILDER           | 255        |